गोपनीय

ज्ञापन

कार्यभारी मन्त्री — वित्त एवं योजना मन्त्री, हरियाणा ।

प्र ाासकीय सचिव — वित्तायुक्त एंव प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, योजना विभाग ।

विशय :– अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा की वर्श 2010–11 की वार्शिक प्र ाासनिक रिपोर्ट तथा समीक्षा ।

वर्श 2010–11 के लिये अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा की वार्शिक प्र ाासनिक रिपोर्ट (केवल हिन्दी भाशा में) तथा समीक्षा एंव समालोचना (हिन्दी व अंग्रेजी दोनो भाशाओं में) मुख्य सचिव, हरियाणा के अ ाा0 क्रमांक 15/19/91–4 पी0पी0 दिनांक 30–3–93 के अनुदे ाों के अनुसार मन्त्रिपरिशद के अनुमोदन हेतु प्रस्तुत है ।

इस मामले को मन्त्रिपरिशद के सम्मुख प्रस्तुत करने के लिए मुख्यमन्त्री महोदय की पूर्व अनुमति ले ली गई है ।

(अजीत एम0 भारण)
वित्तायुक्त एंव प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
दिनांक, चण्डीगढ़ — योजना विभाग ।

अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा की वर्श 2010–11 के कार्य की समीक्षा ।

,,,,,,,,,,,,,,,,

अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग का मुख्य कार्य राज्य में विभिन्न विकास कार्यक्रमों के नियोजन एवं प्र ाासन हेतू विभिन्न प्रकार के अभीश्ट आंकड़ों को एकत्रित, संकलित एवं वि लेशण करना है । राज्य के विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर सर्वेक्षण करना, मूल्यांकन अध्ययन करना, पंचवर्शीय योजना तथा वार्शिक योजना बनाने में सहायता प्रदान करना तथा आर्थिक एवं सामाजिक विशयों पर राज्य सरकार को पराम र्ा देना आदि कार्य भी इसी विभाग द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं ।

वर्श 2010–11 के दौरान सांख्यिकीय सारां ा हरियाणा, 2009–10 जिसमें राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं पर विस्तृत आंकड़े दिये जाते हैं, को तैयार करके मुद्रित करवाया गया व बजट सत्र के दौरान विधान सभा में अन्य बजट प्रलेखों के साथ माननीय विधानसभा के सदस्यों में वितरित किया गया ।

'आर्थिक सर्वेक्षण हरियाणा, 2010–11 जिसमें राज्य अर्थ–व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में की गई प्रगति द र्ाई जाती है, को तैयार करके मुद्रित करवाया गया व बजट सत्र के दौरान हरियाणा विधान सभा में वितरित किया गया ।

विभाग द्वारा 31 मार्च, 2009 को हरियाणा सरकार के अधीन अमला के आंकड़ों की गणना का कार्य किया गया व विभिन्न श्रेणियों के अनुसार कर्मचारियों के वर्गीकरण सम्बन्धी कार्ड जारी किया गया । इसके अतिरिक्त 31 मार्च, 2010 से सम्बन्धित अमला के आंकड़ों का एकत्रीकरण व संकलन कार्य भी जारी रहा ।

हरियाणा गजट भाग II में प्रका ान के लिए मासिक उपभोक्ता कीमत सूचकांक नियमित तौर पर (श्रमिक वर्ग) तैयार किया जाता है । इसके अतिरिक्त कृशि श्रमिक मजदूरी एवं ग्रामीण खुदरा कीमत, चुनी हुई वस्तुओं की खुदरा एवं थोक भाव की मासिक विवरणियां एकत्रित तथा संकलित करके राज्य तथा केन्द्र सरकार को भिन्न–भिन्न प्रकार की रिपोर्ट एवं सूचना प्रेशित की गई ।

प्रचलित तथा स्थिर (2004–05) दोनों भावों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद, निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय अनुमान वर्श 2004–05 से 2008–09 के लिये तैयार किये गये। वर्श 2009–10 के द्रुत अनुमान तथा वर्श 2010–11 के अग्रिम अनुमान भी तैयार किये गये ।

"हरियाणा सरकार के बजट वर्श 2010–11 का आर्थिक एवं प्रयोजनवार वर्गीकरण" नामक प्रतिवेदन तैयार किया गया तथा "हरियाणा राज्य की नगरपालिकाओं/परिशदों /निगमों के बजटों का आर्थिक एवं कार्यात्मक वर्गीकरण वर्श

2008–09"' तथा "राज्यों के वित्त का वि लेशण वर्श 2009–10"' नामक प्रतिवेदन तैयार करने का कार्य प्रगति पर रहा ।

वर्श 2008–09 से सम्बन्धित 'हरियाणा में कृशकों की आर्थिक व्यवस्था' व "कृशकों का परिवार बजट" नामक अध्ययन रिपोर्ट तैयार की गई व मुद्रित करवाई गई ।

औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार वार्शिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वर्श 1999–2000 से 2009–10 (आधार वर्श 1999–2000) को तैयार किया गया ।

राश्ट्रीय प्रतीक सर्वेक्षण के 66 वें चरण का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया गया तथा 67 वें चरण का कार्य प्रगति पर रहा ।

चार जिलों में प्र ाक्षण कैम्प आयोजित किए गए जिनमें विभिन्न विभागों के 56 कर्मचारियों को प्राथमिक सांख्यिकी सम्बन्धित प्र ाक्षण प्रदान किया गया तथा विभाग के लगभग 105 अधिकारियों/कर्मचारियों को विभिन्न संस्थानों में प्र ाक्षण के लिये भेजा गया ।

सभी जिलों के वर्श 2008–09 के जिला सांख्यिकीय सारां ा तथा नगरपालिका वार्शिक पुस्तक को तैयार किया गया ।

वर्श 2010–11 के दौरान वार्शिक योजना 2010–11 को तैयार किया गया व वार्शिक योजना 2011–12 का प्रारूप भी तैयार किया गया ।

वर्श 2010–11 के दौरान जिला योजना स्कीम के तहत राज्य के सभी जिलों को रा ा जारी की गई ।

वर्श 2010–11 के दौरान मूल्यांकन अध्ययन नामतः परिवार कल्याण कार्यक्रम को पूर्ण किया गया । इसके अतिरिक्त मूल्यांकन अध्ययन नामतः सामुदायिक वानिकी परियोजना, स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना, मिड डे मील (मध्य दिवस भोजन योजना), राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम व यमुना एक ान प्लान–1 के अर्न्तगत स्थापित मल निकासी सं ाोधन ईकाईयों का मूल्यांकन अध्ययन प्रगति पर रहा ।

20–सूत्रीय कार्यक्रम के कार्यान्वयन से सम्बन्धित मासिक/त्रैमासिक प्रगति रिर्पोट का नियमित रूप से अनुश्रवण किया गया तथा वांछित सूचना भारत सरकार को भेजी गई ।

जिला सांख्यिकीय एजैंसियां अपने जिलों के जिला सांख्यिकीय सारां ा, जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण, नगरपालिका वार्शिक पुस्तक तैयार करने/सं ाोधन करने में तथा अन्य सांख्यिकीय कार्यकलापों में व्यस्त रहीं ।

दिनांकः चण्डीगढ

अजीत एम0 भारण,
वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
योजना विभाग।

अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा की वर्श 2010–11 की वार्शिक प्र ाासनिक रिपोर्ट की समालोचना ।

वर्श 2010–11 में अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा ने संतोशजनक रूप से कार्य किया । हरियाणा राज्य के विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर आंकड़ों को एकत्रित, संकलन तथा वि लेशण का कार्य पूर्ण किया गया । प्रतिवेदनाधीन वर्श में इस विभाग द्वारा राज्य सांख्यिकीय सारां ा 2009–10 को मुद्रित करवाया गया । इसे गत बजट सत्र के समय अन्य बजट प्रलेखों के साथ विधायकों को वितरित किया गया । यह प्रका ान नीति निर्णय लेने, विकास योजनाओं के निरूपण हेतु तथा अनुसंधान से सम्बन्धित संस्थाओं के लिये अत्यन्त उपयोगी है । इसी प्रकार हरियाणा के आर्थिक सर्वेक्षण 2010–11 को मुद्रित करवाकर बजट सत्र के दौरान विधायकों को वितरित किया गया ।

इस विभाग द्वारा हरियाणा सरकार के कर्मचारियों की गणना, कृशि श्रमिक मजदूरी की मासिक सूचना, खुदरा तथा थोक भाव, उपभोक्ता कीमत सूचकांक तथा औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक नियमित रूप से जारी किये गये । प्रचलित तथा स्थिर (2004–05) भावों पर वर्श 2004–05 से 2008–09 के सकल राज्य घरेलू उत्पाद, निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय के अनुमान तैयार किये गये । सकल राज्य घरेलू उत्पाद, निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय के वर्श 2009–10 के द्रुत अनुमान तथा 2010–11 के अग्रिम अनुमान भी प्रचलित व स्थिर (2004–05) भावों पर तैयार किये गये । "'हरियाणा सरकार के बजट वर्श 2010–11 का आर्थिक एवं प्रयोजनवार वर्गीकरण" नामक प्रतिवेदन तैयार किया गया तथा "राज्यों के वित्त का वि लेशण वर्श 2009–10" तथा '"हरियाणा राज्य की नगरपालिकाओं/परिशदों /निगमों के बजटों का आर्थिक एवं कार्यात्मक वर्गीकरण वर्श 2009–10" नामक प्रतिवेदन तैयार करने का कार्य प्रगति पर रहा । वर्श 2008–09 से सम्बन्धित 'कृशि की आर्थिक व्यवस्था' तथा 'कृशकों का परिवार बजट' पर अध्ययन रिपोर्ट तैयार की गई व मुद्रित करवाई गई ।

इस विभाग के योजना प्रभाग द्वारा वार्शिक योजना 2010–11 को तैयार किया गया व वार्शिक योजना 2011–12 के प्रारूप को तैयार किया गया ।

वर्श 2010–11 के दौरान मूल्यांकन अध्ययन नामतः परिवार कल्याण कार्यक्रम को पूर्ण किया गया । इसके अतिरिक्त मूल्यांकन अध्ययन नामतः सामुदायिक वानिकी परियोजना, स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना, मिड डे मील (मध्य दिवस भोजन योजना), राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम व यमुना एक् ान प्लान–1 के अर्न्तगत स्थापित मल निकासी सं ाोधन ईकाईयों का मूल्यांकन अध्ययन प्रगति पर रहा ।

20 सूत्रीय कार्यक्रम का राज्य तथा जिला स्तर पर नियमित तौर पर अनुश्रवण संतोशजनक रहा । जिला सांख्यिकीय एजैंन्सियां अपने जिलों के जिला सांख्यिकीय सारां I, सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण, नगरपालिका वार्शिक पुस्तक तैयार करने तथा अन्य सांख्यिकीय कार्यकलापों में व्यस्त रहीं ।

दिनांक : चण्डीगढ

अजीत एम0 भारण,
वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
योजना विभाग।

अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा की वार्शिक प्र ाासनिक रिपोर्ट 2010–11

अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, योजना विभाग के प्र ाासनिक नियन्त्रणाधीन कार्य करता है ।

इसके मुख्य कार्य निम्न प्रकार वर्णित हैं :–

(क) राज्य के विभिन्न सामाजिक तथा आर्थिक पहलुओं पर आंकड़ों का संग्रह, संकलन तथा उनका वि लेशण ।
(ख) राज्य के योजना एवं विकास कार्यक्रमों के निरूपण हेतु अपेक्षित आंकडों को जुटाना ।
(ग) राज्य की विभिन्न आर्थिक तथा सामाजिक पहलुओं से सम्बन्धित समस्याओं का सर्वेक्षण करना ।
(घ) राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के सांख्यिकीय कार्यों का समन्वय करना ।
(ड) राज्य सरकार को आर्थिक एवं सांख्यिकीय विशयों पर पराम र्ा देना ।
(च) केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (भारत सरकार) तथा अन्य राज्यों के सांख्यिकीय विभागों के साथ सम्पर्क करके कार्य करना ।
(छ) विकास योजनाओं /परियोजनाओं /स्कीमों का मूल्याकंन करना ।
(ज) पंचवर्शीय योजना /वार्शिक योजनाओं को बनाना तथा उनका कार्यान्वयन ।
(झ) जिला योजना के अन्तर्गत जिला स्तर की योजनाओं को बनाना तथा उनका कार्यान्वयन ।
(न) 20–सूत्रीय कार्यक्रम के अधीन विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति का अनुश्रवण करना ।
(ट) विभिन्न विभागों की मानव ाक्ति एवं रोजगार गतिविधियों का समन्वय करना तथा मानवभाक्ति एवं रोजगार प्रदान करने वाली परियोजनाओं का अध्ययन करना ।

उपर्युक्त गतिविधियों से विदित होता है कि अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा मुख्यतः एक अनुसंधान विभाग है जो कि समय–समय पर नियमित तथा तदर्थ आधार पर सामाजिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण /अध्ययन करता है । इस प्रकार इस विभाग के कोई भौतिक लक्ष्य अथवा उपलब्धियां नही होती हैं । फिर भी यह वर्णनीय है कि इस विभाग द्वारा हरियाणा सांख्यिकीय सारां ा, हरियाणा का आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य वित्त का वि लेशण, बजट का आर्थिक एवं प्रयोजनवार कार्यात्मक वर्गीकरण, हरियाणा में नगरपालिकाओं /परिशदों /निगमों के बजटों का आर्थिक तथा कार्यात्मक वर्गीकरण, हरियाणा में कृशि की आर्थिक–व्यवस्था का अध्ययन तथा हरियाणा में कृशकों का परिवार बजट सर्वेक्षण रिपोर्ट जैसे कई वार्शिक प्रका ान नियमित आधार पर मुद्रित करवाए जाते हैं ।

इस विभाग में आर्थिक तथा योजना प्रभागों के अन्तर्गत क्रम ाः निम्नलिखित अनुभाग कार्य कर रहे हैं :–

(क) **सांख्यिकीय प्रभाग**

1 संग्रह तथा संकलन
2 कीमत
3 राज्य आय
4 लोक वित्त
5 क्षेत्रीय लेखा
6 पूंजी निर्माण
7 कृशि
8 राश्ट्रीय प्रतीक सर्वेक्षण एवं सारणीकरण
9 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक
10 प्रि ाक्षण
11 सामाजिक सांख्यिकीय सुधार
12 आर्थिक सर्वेक्षण

(ख) **योजना प्रभाग**

13 योजना निरूपण तथा कार्यान्वयन
14 जिला योजना
15 मूल्यांकन सर्वेक्षण
16 योजना अनुश्रवण
17 मानव ाक्ति तथा रोजगार समन्वय

वर्श 2010–11 के दौरान अनुभागों द्वारा किये गये कार्यों का विवरण निम्न प्रकार से है :–

(क) **सांख्यिकीय प्रभाग**

1 संग्रह तथा संकलन अनुभाग

यह अनुभाग मुख्यतः राज्य के विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं पर सांख्यिकीय सामग्री का संग्रह तथा संकलन करके इनका नियमित रूप से प्रका ान करवाता है । इस अनुभाग द्वारा प्रकाि ात प्रका ानों से विभिन्न विभागों/वि वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थानों/अनुसंधान–कर्ताओं की दिन प्रतिदिन की सांख्यिकीय आव यकताओं को पूर्ण किया जाता है ।

राज्य सांख्यिकीय सारां ा को तैयार करना अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा का एक वार्शिक कार्य है । तदानुसार वर्श 2010–11 में वर्श 2009–10 के सांख्यिकीय सारां ा को समय पर प्रकाि ात करवाकर जारी किया गया । इस प्रका ान को बजट सत्र (बजट सै ान) के दौरान अन्य बजट प्रलेखों के साथ विधायकों को वितरित किया गया । इस प्रका ान में नीति निर्णय लेने, विकास योजनाओं के निरूपण तथा अनुसंधान कार्यों हेतु लगभग सभी महत्वपूर्ण सामाजिक–आर्थिक पहलुओं वि ोशकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृशि, सिंचाई, बिजली, उद्योग, श्रम तथा रोजगार, स्वास्थ्य, ि ाक्षा, सहकारिता, लोक वित्त, कीमत सूचकांक, राज्य आय आदि के आकड़ों का समावे ा किया जाता है । ये आंकड़े राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति को जानने में अत्यधिक सहायक सिद्ध होते हैं । यह इस विभाग का महत्वपूर्ण संदर्भ प्रका ान है, जिसकी मांग गत वर्शो की तुलना में बढती जा रही है ।

केन्द्र तथा राज्यों के संयुक्त सांख्यिकीय सम्मेलन की सिफारि ाों के आधार पर अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा वर्श 1967 से प्रति वर्श कर्मचारी वर्ग की गणना से सम्बन्धित आव यक सूचना एकत्रित कर रहा है । इस सूचना का प्रयोग राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के हित में नीति निर्धारण हेतु तथा कर्मचारियों को अन्य वित्तिय सुविधाएं प्रदान करने हेतु किया जाता है । संदर्भाधीन अवधि के दौरान हरियाणा सरकार के अधीन विभिन्न विभागों में कार्यरत अमला के आकंड़े संदर्भ तिथि 31 मार्च, 2009 से सम्बन्धित परिणामों को अन्तिम रूप दिया गया व कार्ड मुद्रित करवाया गया तथा 31 मार्च, 2010 से सम्बन्धित अमला के आकंडों का संग्रह एवं सकंलन का कार्य प्रगति पर रहा ।

कृशि श्रमिक मजदूरी तथा ग्रामीण खुदरा भावों की सूचना मास फरवरी, 2010 से जनवरी, 2011 तक एकत्रित तथा संकलित करके कृशि मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजी गई ।

2 कीमत अनुभाग

साप्ताहिक खुदरा तथा थोक भावों का संग्रह करना तथा श्रमिक वर्ग के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक तैयार करना इस अनुभाग का उत्तरदायित्व है । रिपोर्टाधीन अवधि में मास फरवरी, 2010 से जनवरी, 2011 तक के श्रमिक वर्ग उपभोक्ता कीमत सूचकांक (आधार वर्श 1982=100), जो कि छः केन्द्रों नामतः भिवानी, हिसार, सोनीपत, सूरजपूर–पिंजौर, बहादुरगढ़ तथा पानीपत एवं सकल हरियाणा राज्य के लिए संकलित करके गजट अधिसूचना के रुप में जारी किए गए ।

न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की हैसियत से जनवरी, 2010 से जून, 2010 तक तथा जुलाई, 2010 से दिसम्बर, 2010 तक के छः माही श्रमिक वर्ग के उपभोक्ता कीमत सूचकांक छः चुने हुए केन्द्रों तथा श्रम ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा संकलित यमुनानगर व फरीदाबाद केन्द्रों के उपभोक्ता कीमत सूचकांकों की घोशणा की गई तथा गजट अधिसूचना जारी की गई ।

फरवरी, 2010 से जनवरी, 2011 तक के कृशि उत्पादों के थोक भाव के सूचकांक (आधार वर्श 1980–81=100) तैयार किये गये ।

ग्रामीण खुदरा भावों की जांच करके मास मार्च, 2010 से फरवरी, 2011 तक का सकंलन कार्य किया गया तथा फरवरी, 2010 से जनवरी, 2011 तक के सूचकांक तैयार किये गये ।

त्रैमासिक मकान किराया सर्वेक्षण से सम्बन्धित तिमाही नामतः मार्च, जून, सितम्बर, तथा दिसम्बर, 2010 की प्राप्त अनुसूचियों की छानबीन करके मकान किराये का सूचकांक तैयार किया गया । प्राईस मोनिटरिंग सैल के लिए मास अप्रैल, 2010 से मार्च, 2011 तक कीमतों की समीक्षा तैयार करके निदे ाक, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, हरियाणा को भेजी गई ।

3. राज्य आय अनुभाग

राज्य आय अनुभाग हरियाणा राज्य के राज्य घरेलू उत्पाद अनुमान तथा प्रति व्यक्ति आय अनुमान प्रचलित तथा स्थिर भावों पर नियमित तौर पर तैयार करता है । ये अनुमान राज्य के आर्थिक विकास के माप के लिए महत्वपूर्ण सूचकांक होते हैं । आर्थिक विकास द र्ाने के साथ–साथ क्षेत्रवार अनुमान राज्य की अर्थ–व्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रका ा डालते हें । राज्य आय अनुभाग द्वारा वर्श के दौरान निम्न कार्य किए गए :–

हरियाणा राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद, निवल राज्य घरेलू उत्पाद एवं प्रति व्यक्ति आय अनुमान वर्श 2008–09 (अनन्तिम) प्रचलित तथा स्थिर (2004–2005) दोनों भावों पर तैयार किये गये ।

हरियाणा राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद, निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय के द्रुत अनुमान वर्श 2009–10 व अग्रिम अनुमान वर्श 2010–11 के लिये प्रचलित तथा स्थिर (2004–05) दोनों भावों पर तैयार किए गए ।

राज्य घरेलू उत्पाद अनुमान वर्श 2009–10 (अनन्तिम) तैयार करने हेतु सूचना एकत्रित करने का कार्य जारी रहा । प्राप्त सूचना की छानबीन की गई तथा संकलन कार्य किया गया ।

हरियाणा राज्य के जिला स्तरीय सकल एवं निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय अनुमान वर्श 1999–2000 से 2006–07 तक सं ाोधित किए गए । उक्त अनुमान वर्श 2007–08 (Provisional) तथा 2008–09 के द्रुत अनुमान प्रचलित तथा स्थिर (1999–2000) दोनो भावों पर तैयार किये गये ।

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित अलाभकारी संस्थाओं के सर्वेक्षण सम्बन्धी प्रोजैक्ट के द्वितीय चरण का कार्य विभाग द्वारा चयनित दस जिलों कुरूक्षेत्र, हिसार, पंचकूला, भिवानी, करनाल, जीन्द, फरीदाबाद, रोहतक, सोनीपत, तथा महेन्द्रगढ़ में करवाने का कार्य प्रगति पर रहा ।

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, नई दिल्ली द्वारा पुडुचेरी में राज्य आय अनुमानों, का आधार वर्श 1999–2000 से 2004–05 सं ाोधित करने के संदर्भ में एक कार्य ाला का आयोजन किया गया जिसमें इस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया ।

4. लोक वित्त

लोक वित्त अनुभाग "हरियाणा सरकार के बजट का आर्थिक एवं प्रयोजनवार वर्गीकरण"' तथा '"राज्यों के वित्त का वि लेशण"' नामक प्रतिवेदन वार्शिक आधार पर तैयार करता है ।

वर्श 2010–11 में "हरियाणा सरकार के बजट वर्श 2010–11 की आर्थिक एवं प्रयोजनवार वर्गीकरण" नामक प्रतिवेदन तैयार किया गया । "राज्यों के वित्त का वि लेशण" वर्श 2009–10 तैयार किया गया तथा वर्श 2010–11 नामक प्रतिवेदन तैयार करने का कार्य प्रगति पर रहा । इनपुट–आउटपुट ट्रांजैक्सन तालिकाएँ वर्श 2007–08 तथा 2008–09 तैयार की गई तथा केन्द्रीय सांख्यिकिय संगठन, नई दिल्ली को प्रेशित की गई ।

5. क्षेत्रीय लेखा अनुभाग

क्षेत्रीय लेखा अनुभाग हरियाणा राज्य की नगरपालिकाओं /परिशदों/ निगमों के बजटों का आर्थिक तथा कार्यात्मक वर्गीकरण सम्बन्धी रिपोर्ट वार्शिक आधार पर तैयार करता है । इसके

अतिरिक्त हरियाणा राज्य की ग्राम पंचायतों के बजट (ब्लाक वार) तथा पंचायत समितियों के बजटों की सूचना का एकत्रीकरण व संकलन कार्य करता है ।

वर्श 2010–11 के दौरान हरियाणा राज्य की नगरपालिकाओं/परिशदों/निगमों के बजटों का आर्थिक तथा कार्यात्मक वर्गीकरण सम्बन्धित वर्श 2008–09 की रिपोर्ट तैयार की गई ।

पंचायत समितियों की वर्श 2008–09 की सूचना का संकलन कार्य पूर्ण किया गया व वर्श 2009–10 की सूचना एकत्रित करने का कार्य प्रगति पर रहा ।

6. पूंजी निर्माण अनुभाग

पूंजी निर्माण अनुभाग राज्य में सकल स्थायी पूंजी निर्माण के अनुमान वार्शिक आधार पर तैयार करता है ।

रिपोर्टाधीन अवधि में प्रचलित तथा स्थिर (1999–2000) भावों पर वर्श 2008–09 के सकल स्थायी पूंजी निर्माण के अनुमान उद्योगों के उपयोग, संस्थानुसार एवं परिसम्पत्तियों के प्रकारानुसार तैयार किए गए ।

सकल स्थाई पूंजी निर्माण, हरियाणा की रिपोर्ट वर्श 1999–2000 से वर्श 2008–09 तक (आधार वर्श 1999–2000) तैयार की गई ।

7 कृशि अनुभाग

कृशि अनुभाग प्रति वर्श नियमित तौर पर दो प्रतिवेदन नामतः "हरियाणा में कृशकों की आर्थिक व्यवस्था का अध्ययन" एवं "कृशकों के परिवार बजट अध्ययन" तैयार करता है । कृशकों की आर्थिक व्यवस्था का अध्ययन रिपोर्ट में राज्य के चुने हुये कृशकों की जोतों की विभिन्न फसलों के उत्पादन, लागत तथा आय का अध्ययन किया जाता है । "कृशकों के परिवार बजट अध्ययन" के अन्तर्गत राज्य के चुने हुए कृशक परिवारों की आय तथा व्यय का वि लेशण किया जाता है ।

"कृशि लेखा अध्ययन" रिपार्ट तथा "कृशि परिवार बजट अध्ययन" रिपोर्ट वर्श 2008–09 प्रैस से मुद्रित करवाई गई व वर्श 2009–10 से सम्बन्धी कार्य प्रगति पर रहा ।

8 राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण एवं सारणीकरण अनुभाग

यह अनुभाग भारत सरकार के राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण संगठन के सहयोग से क्षेत्रीय सर्वेक्षण करता है । इस सर्वेक्षण के अन्तर्गत विभिन्न चरणों में भूमि उपयोगिता, ऋण तथा निवे ा, विनिर्माण, घरेलू मकानों की द ाा, उपभोक्ता व्यय तथा रोजगार एवं बेरोजगारी तथा व्यापार आदि कई सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर सूचना एकत्रित की जाती है ।

इस अवधि के दौरान राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 66वें दौर के तृतीय तथा चतुर्थ उपचरण, ग्रामीण क्षेत्र के 53 सैम्पलों तथा भाहरी क्षेत्र के 47 सैम्पलों का क्षेत्रीय सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया गया । 66वें दौर के एक राज्य ग्रामीण तथा एक केन्द्रीय भाहरी सैम्पल का एन0एस0एस0ओ0 हरियाणा सर्कल, चण्डीगढ़ के साथ मिलकर संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया ।

राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 66वें दौर के तृतीय व चतुर्थ उपचरण ग्रामीण क्षेत्र के 40 सैम्पल व भाहरी क्षेत्र के 31 सैम्पलों के क्षेत्रीय सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण किया गया तथा मुख्यालय से भी इस दौर की ग्रामीण क्षेत्र के 2 व भाहरी क्षेत्र के 2 सैम्पलों का निरीक्षण किया गया ।

राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 67वें दौर से सम्बन्धित राश्ट्रीय प्र िाक्षण सभा का आयोजन NSSO भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में किया गया जिसमें मुख्यालय से अधिकारियों ने भाग लिया व क्षेत्रीय प्र िाक्षण सभा जो मास जून, 2009 में NSSO हरियाणा सर्कल, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित की गई थी उसमें अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया ।

राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 67वें दौर से सम्बन्धित क्षेत्रीय प्र िाक्षण सभा मुख्यालय में आयोजित की गई जिसमें सभी सर्कल के जिला सांख्यिकीय अधिकारियों, निरीक्षकों व अवर क्षेत्रीय अनुसंधाताओं ने भाग लिया ।

राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 67वें दौर के ग्रामीण क्षेत्र के 160 सैम्पल व भाहरी क्षेत्र के 100 सैम्पलों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया गया तथा राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 67वें दौर के तृतीय उपचरण तक अलाट किए गए 300 सैम्पलों में से 260 सैम्पलों का कार्य सम्पूर्ण किया गया ।

राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 67वें दौर से सम्बन्धित प्रथम व द्वितीय अर्ध वार्शिक सभा जिला हिसार, व कुरूक्षेत्र में आयोजित की गई जिसमें सभी सर्कलों के निरीक्षकों ने भाग लिया । इस अवधि के दौरान राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 67वें दौर के ग्रामीण क्षेत्र के 132 व भाहरी क्षेत्र के 81 सैम्पलों का निरीक्षण किया गया । इस अवधि के दौरान मुख्यालय से भी 67वें दौर के 6 ग्रामीण व 5 भाहरी सैम्पलों का निरीक्षण किया गया ।

राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 67वें दौर की Data processing तथा 63वें, 64वें, 65वें, चरण की टेबुले ान से सम्बन्धित राश्ट्रीय प्र िाक्षण सभा में भाग लिया ।

राश्ट्रीय प्रतीक सर्वेक्षण के 63वें चरण की उपभोक्ता व्यय (1.0) से सम्बन्धित रिपोर्ट तैयार करने का कार्य प्रगति पर रहा ।

राश्ट्रीय प्रतिद र्ा सर्वेक्षण के 65वें दौर का वैलीडे ान सॉफटवेयर को राज्य के सभी 7 सर्कलों में Load करने उपरान्त 7 जिलों में राश्ट्रीय प्रतीक सर्वेक्षण से सम्बन्धित कर्मचारियों को

इस बारे प्रि ाक्षण दिया गया ।

9. औद्यौगिक उत्पादन सूचकांक अनुभाग

यह अनुभाग हरियाणा राज्य के मासिक एवं वार्शिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक तैयार करता है। ये सूचकांक औद्योगिक क्षेत्र में हुई प्रगति तथा औद्योगिक क्षेत्र में आए मूलभूत परिवर्तनों को द ार्ाते हैं ।

वार्शिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वर्श 2009–10 (आधार वर्श 1999–2000) तैयार किया गया । मास अप्रैल, 2009 से मार्च, 2010 तक का मासिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक भी (आधार वर्श 1999–2000) तैयार किया गया ।

मास अप्रैल, 2010 से मार्च, 2011 तक का मासिक व वार्शिक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार वर्श 1999–2000) पर तैयार करने के लिये चयन की गई औद्योगिक इकाईयों से चयन किये गये मदों की इस अवधि की मासिक औद्योगिक उत्पादन सम्बन्धी सूचना एकत्रित करके छानबीन व संकलन कार्य किया गया व उक्त अवधि का मासिक उत्पादन सूचकांक तैयार करने का कार्य जारी रहा ।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार वर्श 1999–2000) पर वर्श 2004–05 से 2009–10 तक की रिपोर्ट तैयार की गई ।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का आधार वर्श 1999–2000 से 2004–05 बदलने हेतू आईटम बास्केट एवं वेटिंग डायाग्राम तैयार किया गया तथा उक्त उद्दे य हेतू चयन की गई औद्योगिक इकाईयों से चयन किए गए आइटमों की वर्श 2004–05 से 2010–11 तक की उत्पादन सम्बन्धी सूचना एकत्रित करने, छानबीन एवं संकलन कार्य जारी रहा ।

10. प्रि ाक्षण अनुभाग

यह अनुभाग विभिन्न विभागों के मध्य/निचले स्तर के सांख्यिकीय कर्मचारियों के लिये जिला/राज्य स्तर पर प्रि ाक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है । प्रि ाक्षण का उद्दे य इन कर्मचारियों को सांख्यिकीय सम्बन्धित प्रारम्भिक ज्ञान जैसे आंकड़ों का एकत्रीकरण, संकलन, वर्गीकरण, सारणीकरण तथा प्रस्तुतीकरण आदि से परिचय करवाना है। प्रि ाक्षणार्थियों को विभाग द्वारा किये जाने वाले कार्य के बारे भी अवगत कराया जाता है । वर्श 2010–11 के दौरान जिला स्तर पर चार जिलों नामत: फतेहाबाद, भिवानी, झज्जर व मेवात में प्रि ाक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के 56 प्रि ाक्षणार्थियों ने भाग लिया ।

इसके अतिरिक्त विभाग के लगभग 105 अधिकारियों /कर्मचारियों को केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, श्रम ब्यूरो, भारत सरकार, हरियाणा लोक प्र ाासन संस्थान, गुड़गांव, राश्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद व अन्य संस्थानों में विभिन्न प्रि ाक्षण कार्यक्रमों/कार्य ाालाओं में भाग लेने हेतू भेजा गया ।

11. सामाजिक सांख्यिकीय सुधार अनुभाग

यह अनुभाग राज्य में लोगों के सामाजिक जीवन से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर सामाजिक–आर्थिक सूचकों को तैयार करता है। वर्श 2010–11 के दौरान राज्य सांख्यिकीय सारां ा 2009–10 में सम्मिलित करने के लिए महत्वपूर्ण सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर विभिन्न सूचक तैयार किए गए ।

12. आर्थिक सर्वेक्षण अनुभाग

हरियाणा राज्य का आर्थिक सर्वेक्षण 2010–11 जिसमें अर्थ–व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में की गई प्रगति द ार्ाई जाती है, को तैयार कर बजट सत्र के दौरान हरियाणा विधानसभा में प्रस्तुत किया गया ।

ख. योजना प्रभाग

13. योजना निरूपण एवं कार्यान्वयन अनुभाग

यह अनुभाग राज्य की पंचवर्शीय एवं वार्शिक योजनायें तैयार करता है तथा योजना अवधि में योजना स्कीमों के कार्यान्वयन पर नजर रखता है ।

अनुभाग द्वारा वार्शिक योजना 2010–11 से सम्बन्धित राज्य की विकास स्कीमों को कार्यान्वित करने हेतु विभागों से प्राप्त अतिरिक्त रा ि ा की मांग के प्रस्तावों तथा आपस में स्कीमों में स्वीकृत रा ि ा के परिवर्तन के लिये प्राप्त सभी प्रस्तावों की जांच तथा उच्च स्तरीय समीक्षा उपरान्त विभागों को अग्रिम कार्यवाही हेतु आव यक पराम ार्ा जारी किये गए ।

योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा राज्य की वार्शिक योजना 2010–11 का योजना परिव्यय 10,000.00 करोड़ रूपये अनुमोदित करने उपरान्त इस परिव्यय का क्षेत्रवार आबंटन कर सम्बन्धित विभागों से इसकी स्कीमवार सूचना प्राप्त कर उसका संकलन करके वार्शिक योजना 2010–11 तैयार कर अनुमोदन उपरान्त प्रैस से मुद्रण करवाकर सम्बन्धित विभागों को इसकी प्रति भेजी गई ।

राज्य की सं ोधित वार्शिक योजना 2010–11 का सं ोधित परिव्यय 10,400.00 करोड़ रूपए निर्धारित किया गया ।

स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता/अनुदान देने के दि ाा निर्दे ा तैयार कर सम्बन्धित विभागों को भेजे गये तथा मुख्य सचिव महोदया की अध्यक्षता में बैठक आयोजित करवाई गई ।

योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा हरियाणा को 110 करोड़ रूपये की एकमु त अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता प्रदान की गई तथा सम्बन्धित विभागों में इसका वितरण किया गया तथा सम्बन्धित विभागों को इससे सम्बन्धित प्रोजैक्ट तैयार करने बारे लिखा गया ।

योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा राज्य की वार्शिक योजना 2010–11 का योजना परिव्यय 11100.00 करोड़ रूपए अनुमोदित करने उपरान्त उक्त परिव्यय का क्षेत्रवार आंबटन कर

सम्बन्धित विभागों से स्कीमवार प्रस्ताव एकत्रित कर उनका संकलन कार्य कर इसे प्रकाि ात करवाने उपरान्त योजना आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा गया ।

वार्शिक योजना 2010–11 के योजना परिव्यय की ईयरमार्किंग कर योजना आयोग, भारत सरकार को भेजी गई । वार्शिक योजना 2010–11 के खर्चे का रिव्यू से सम्बन्धित बैठक वित्तायुक्त, योजना विभाग की अध्यक्षता में करवाई गई तथा इन बैठकों में लिये गये निर्णयों पर कार्यवाही की गई ।

सं ाोधित योजना परिव्यय 2010–11 तथा वार्शिक योजना 2011–12 को अन्तिम रूप देने हेतु विभिन्न विभागों के सचिवों की वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, योजना विभाग की अध्यक्षता में बैठक करवाई गई । योजना विभाग द्वारा NABARD funded RIDF Projects से सम्बन्धित सूचना विभागों से एकत्रित करने उपरान्त उनका मूल्यांकन किया गया तथा वित्त विभाग को आगामी कार्यवाही हेतु वित्त विभाग को प्रेशित किया गया ।

14. जिला योजना अनुभाग

इस अनुभाग द्वारा राज्य स्तर पर जिला योजना स्कीम के कार्यान्वयन सम्बन्धी कार्य किये जाते हैं ।

जिले के सभी अतिरिक्त उपायुक्त एवं मुख्य योजना तथा विकास अधिकारियों को विकेन्द्रीकृत योजना के अर्न्तगत प्रत्येक तीन मास बाद (समाप्त त्रैमासिक) प्रगति रिपोर्ट भेजने बारे, पूर्ण किये गये कार्यों के उपयोगिता प्रमाण–पत्र भेजने बारे तथा लम्बित प्रगति रिपोर्ट भेजने बारे पत्र लिखे गए ।

विकेन्द्रीकृत योजना के अन्तर्गत वर्श 2004–05 से 2007–08 तक के सभी जिलों से प्राप्त उपयोगिता प्रमाण पत्रों को संकलन कार्य किया गया तथा संकलन उपरान्त महालेखाकार, हरियाणा को प्रेशित किए गए।

जिला योजना के अन्तर्गत 31–3–2011 तक वार्शिक प्रगति रिपोर्ट (2010–11) एकत्रित की गई ।

जिला योजना वर्श 2008–09 तथा वर्श 2009–10 से सम्बन्धित उपयोगिता प्रमाण पत्र एकत्रित करने का कार्य प्रगति पर रहा तथा संकलन उपरान्त महालेखाकार, हरियाणा, चण्ड़ीगढ को प्रेशित किए गए ।

15. मूल्यांकन सर्वेक्षण अनुभाग

यह अनुभाग विकास कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं का मूल्यांकन अध्ययन करता है ताकि उनके सामान्य प्रभाव, कार्यान्वयन करने में विलम्ब के कारण तथा सुधार के लिए उठाये

जाने वाले पगों का वि लेशण किया जा सके ।

वर्श 2010–11 के दौरान मूल्यांकन अध्ययन नामतः परिवार कल्याण कार्यक्रम को पूर्ण किया गया । इसके अतिरिक्त मूल्यांकन अध्ययन नामतः सामुदायिक वानिकी परियोजना, स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना, मिड डे मील (मध्य दिवस भोजन योजना), राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम व यमुना एक् ान प्लान–1 के अर्न्तगत स्थापित मल निकासी सं ोधन ईकाईयों का मूल्यांकन व अध्ययन प्रगति पर रहा ।

16. <u>योजना अनुश्रवण अनुभाग</u>

इस अनुभाग का गठन राज्य योजनाओं तथा विभिन्न केन्द्रीय प्रायोजित स्कीमों/परियोजनाओं की प्रगति का अनुश्रवण करने के लिये किया गया है ।

वार्शिक योजना 2010–11 की क्रम ाः प्रथम, द्वितीय व तृतीय तिमाही की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करके वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव, योजना के अनुमोदन उपरान्त योजना आयोग, भारत सरकार, राज्य योजना बोर्ड, वित्त मन्त्रालय, भारत सरकार एवं वित्त विभाग, हरियाणा को भेजी गई ।

योजना आयोग, भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा दिनांक 29 जून, 2011 को 2010–11 की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई जिसका आयोजन हरियाणा निवास चण्डीगढ़ में करवाया गया ।

भााखा द्वारा फलेगि ाप प्रोग्रामों की मासिक प्रगति प्रगति रिपोर्ट प्रतिमाह योजना आयोग, भारत सरकार को प्रेशित की गई ।

वार्शिक योजना 2011–12 के ड्राफट प्लान हेतु प्लान फार्मुर्ले ान भााखा को महत्वपूर्ण आंकड़े उपलब्ध करवाये गये ।

वार्शिक योजना 2011–12 की खर्चे की समीक्षा के आधार पर वार्शिक योजना 2011–12 के लिए प्लान तैयार करने हेतु एक बैठकों का आयोजन किया गया ।

इसके अतिरिक्त योजना आयोग, भारत सरकार को समय–समय पर मांगी गई सूचनायें उपलब्ध करवाई गईं ।

17. <u>मानव ाक्ति तथा रोजगार समन्वय अनुभाग</u>

मानव ाक्ति तथा रोजगार समन्वय अनुभाग अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा के प्र ाासन अधीन कार्य करता है परन्तु इसके तकनीकी कार्य का निरीक्षण वि ोश कार्य अधिकारी (मानव ाक्ति) करता है। इस अनुभाग का मुख्य कार्य तकनीकी व्यक्तियों जैसे कि डाक्टर, अभियन्ता, अध्यापक तथा कृशि वि ोशज्ञों की मांग तथा पूर्ति सम्बन्धित अनुमान लगाना है । योजना परियोजनाओं के अधीन रोजगार तथा बेरोजगारी सम्बन्धी समस्याओं का

अध्ययन इसी अनुभाग द्वारा किया जाता है । वर्श 2010–11 के दौरान **वि ोश रोजगार सृजन स्कीम के तहत गरीबी उन्मूलन रोजगार कार्यक्रम, स्वयं रोजगार एवं 11वीं पंचवर्शीय योजना 2007–2012 व**

वार्शिक योजना 2009–10 के दौरान प्र ाक्षण एवं रोजगार व रोजगार से सम्बन्धित अन्य स्कीमों से सम्बन्धित सूचना एकत्रित करने का कार्य जारी रहा ।

तथ्य पुस्तिका 1996 से 2005 तक को तैयार करने हेतु सीमान्त कार्यकर्ता, मुख्य कार्यकर्ता व गैर कार्यकर्ता की सूचना एकत्रित की गई । इसके अतिरिक्त रोजगार विभाग, हरियाणा से हरियाणा में रोजगार स्थिति, रोजगार कार्यालयों के पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या व तकनीकी योग्यता प्राप्त रोजगार चाहने वालों की संख्या बारे सूचना एकत्रित करने का कार्य जारी रहा ।

ग– <u>जिला सांख्यिकीय एजैंसियां</u>

जिला सांख्यिकीय एजैन्सियां राज्य के सभी 21 जिलों में कार्य कर रही हैं । कार्यक्रमों, परियोजनाओं के निरूपण एवं चल रहे कार्यक्रमों के अनुश्रवण के लिए ये एजैन्सियां अभीश्ट आंकडे प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जिला सांख्यिकीय एजैन्सियों के मुख्य कार्य संक्षिप्त रूप से नीचे वर्णित हैं :–

क– जिले की आर्थिक तथा सामाजिक परिस्थितियों पर सभी प्रकार के आंकड़ों का संग्रह, संकलन तथा पोशण करना ।
ख– आंकडे प्रदान करने वाली अन्य एजैन्सियों को संग्रह तथा संकलन कार्य के संदर्भो में मार्ग द ान प्रदान करना तथा निरीक्षण करना ।
ग– जिला स्तर पर किये जाने वाले सर्वेक्षणों में आव यक सहायता प्रदान करना ।
घ– विभिन्न कार्यालयों में सांख्यिकीय सूचना एकत्रित करने वाले तथा सूचना प्रदान करने वाले कर्मचारियों को समय–समय पर प्र ाक्षण प्रदान करना ।
ड– जिला स्तर के विभिन्न कार्यालयों में सांख्यिकीय गतिविधियों का समन्वय करना ।

जिला सांख्यिकीय एजैन्सियों द्वारा की जाने वाली नियमित सांख्यिकीय गतिविधियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :–

I <u>जिला सांख्यिकीय सारां ा</u>

जिला स्तर पर जिला सांख्यिकीय कार्यालय, जिले के विभिन्न सामाजिक तथा आर्थिक पक्षों को द ार्शाने वाले आंकडों का संग्रह तथा सकंलन करने वाली प्रमुख एजैन्सी है । इस विशय पर मुख्य प्रका ान जिला सांख्यिकीय सारां ा है जिसमें क्षेत्रफल, जनसंख्या, कर्मियों का व्यवसाय के अनुसार वितरण, अनुसूचित जातियों की जनसंख्या, साक्षरता, वर्शा, भू–उपयोगिता, फसलों के अधीन क्षेत्र, फसलों का उत्पादन, सिंचित निवल क्षेत्र, सिंचित कुल क्षेत्र, ट्रैक्टर, नलकूप तथा पम्प सैट, वन, प ाुधन और प ाुपालन, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, उ़द्योग, श्रम तथा रोजगार,

चिकित्सा और स्वास्थ्य, ि ाक्षा, सहकारिता, परिवहन, सडकें, अपराध, स्थानीय निकाय, पंजीकरण, बैकिंग, सामुदायिक विकास, कीमतें आदि सभी प्रकार के आंकड़ों का समावे ा किया जाता है । वर्श 2010–11 के दौरान जिला सांख्यिकीय सारां ा वर्श 2008–09 सभी जिला सांख्यान कार्यालयों द्वारा

तैयार किया गया ।

II कीमत सम्बन्धी आंकडे

जिला सांख्यिकीय कार्यालयों पर मार्किट कमेटियों से कृशि पदार्थो की थोक कीमतों, जिला मुख्यालय नगरों से खुदरा भाव तथा चुने हुए बाजारों तथा औद्योगिक कस्बों से परचून कीमतें एकत्र करने का उत्तरदायित्व है । इन आंकड़ों का प्रयोग राज्य स्तर पर सूचकांक तैयार करने के लिए भी किया जाता है ।

III मण्डी आमद

जिला सांख्यिकीय कार्यालयों द्वारा विभिन्न कृशि पदार्थो के मण्डी आमद सम्बन्धी आंकड़े भी एकत्रित किये जाते हैं । इन आकडों का नियमित रूप से मार्किट कमेटियों से संग्रह किया जाता है तथा उन्हें काल श्रृंखला (टाईम सीरीज) के रूप में रखा जाता है ।

IV नगरपालिका वार्शिक पुस्तक

नगरपालिका वार्शिक पुस्तक में प्रत्येक जिले की नगरपालिकाओं के क्षेत्रफल, जनसंख्या, नगरपालिका के व्यवसाय, वर्शा, चिकित्सा, ि ाक्षा तथा अन्य सामाजिक तथा आर्थिक पहलुओं के महत्वपूर्ण आंकड़े होते हैं । भाहरी स्तर की सामाजिक तथा आर्थिक सूचना के लिये यह प्रका ान बहुत उपयोगी है । वर्श 2010–11 के दौरान नगरपालिका वार्शिक पुस्तक वर्श 2008–09 सभी जिला सांख्यान कार्यालयों द्वारा तैयार की गई ।

V 20 सूत्रीय कार्यक्रम

उपायुक्तों एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षण समितियों द्वारा जिला स्तर पर चल रहे 20–सूत्रीय कार्यक्रम की प्रगति का पुनरीक्षण प्रत्येक माह किया गया तथा जिला सांख्यिकीय एजैन्सियों द्वारा मासिक सूचना तैयार की जाती रही ।

VI जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण वर्श 2008–09 जिसमें जिला स्तर पर विभिन्न सामाजिक आर्थिक क्षेत्रों से सम्बन्धित आंकड़ों का संक्षिप्त विवरण हैं, सभी जिलों द्वारा तैयार किया गया ।

घ जिला योजना कार्यालय

हरियाणा में जिला स्तर पर विकेन्द्रीकृत योजना सातवीं पंचवर्शीय योजना के दौरान भ्ाुरू की गई । इस योजना के अन्तर्गत इस विभाग द्वारा सभी जिलों में जिला योजना कार्यालय खोले गये हैं । इनके कार्य की देख रेख जिलों के सम्बन्धित अतिरिक्त उपायुक्त करते हें जिनको कि मुख्य योजना एवं विकास अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हुआ है । 2007–08 में

विकेन्द्रीकृत योजना को समाप्त कर जिला योजना नामक नई स्कीम भ्ाुंरू की गई है । ये कार्यालय अपने जिलों में स्थानीय स्तर के विकास के लिए नई स्कीमों को जिले की जिला योजना समिति से अनुमोदित करवाकर राज्य सरकार द्वारा जारी की गई रा ि ा से इनको कार्यान्वित करवाते हैं । इस योजना के अर्न्तगत वर्श 2010–11 में विभिन्न स्कीमों के अनुमोदन के लिये तथा किये गए कार्यो की प्रगति की समीक्षा के लिये विभिन्न जिला योजना समितियों की बैठक नियमित रूप से बुलाई गई ।

ड चौकसी से सम्बन्धित सूचना

उक्त अवधि के दौरान चौकसी विभाग से इस विभाग के कर्मचारियों से सम्बन्धित कोई मामला नोटिस में नहीं लाया गया ।

अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा में कार्य कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों का ब्यौरा संलग्नक के रूप में आगामी पृश्ठों पर उपलब्ध है ।

संलग्नक

अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग, हरियाणा के राजपत्रित तथा अराजपत्रित वर्ग के पदों का विवरण 2010–11 (31–3–2011 के अनुसार):–

मुख्यालय

I. राजपत्रित	पदों की संख्या	
	स्वीकृत	भरे हुए पद
निदे ाक	1	1
अतिरिक्त निदे ाक	2	–
सयुंक्त निदे ाक	2	2
उप निदे ाक	10	8+1@
अनुसंधान अधिकारी	31	29+2@
अधीक्षक	1	1
II. अराजपत्रित		
अनुभाग अधिकारी	1	1
सहायक अनुसंधान अधिकारी /छानबीन निरीक्षक	47	31+6@
सांख्यिकीय सहायक /निरीक्षक (र0प0स0) /अन्वेशक	17	13
क्षेत्रीय सहायक	19	11
अवर क्षेत्रीय अनुसंधाता	8+6**	4
कलाकार एवं प्रारूपकार	1	1
संगणक	–	5*
उप–अधीक्षक	2	2
सहायक	14	14
लिपिक	6	5+1@
निजी सहायक	2	2
वरिश्ठ आ ुलिपिक	6	6
कनिश्ठ आ ुलिपिक	7	7
आ ुटकंक	20	9
चालक	4	1
म ीन आपरेटर (डुप्लीकेटिंग म ीन)	1	–
म ीन आपरेटर (फोटोस्टेट म ीन)	1	1
सेवक	32	20

जिला कार्यालय

क–**जिला सांख्यान कार्यालय**

(i) **राजपत्रित**

जिला सांख्यान अधिकारी	21	16

(ii) **अराजपत्रित**

सहायक जिला सांख्यान अधिकारी	21	17
सांख्यिकीय सहायक /निरीक्षक (र0प0स0) /अन्वेशक	27	21
क्षेत्रीय सहायक	48	21
अवर क्षेत्रीय अनुसंधाता	40+6**	17
सहायक	21	17
लिपिक	13	13
अनुरेखक	–	3*
सेवक	40	36
संगणक	–	3*@@

ख– **जिला योजना कार्यालय**

(i) **राजपत्रित**

मुख्य योजना तथा विकास अधिकारी	19	–
योजना अधिकारी	21	16

(ii) **अराजपत्रित**

अनुसंधान सहायक	21	21
कार्टोग्राफर /ज्योग्राफर	–	14*
सेवक	21	20+2*
सहायक	–	3*
गैस्टेटनर आपरेटर	–	4*
कुल योग	560	428

@ कर्मचारी अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर हैं ।

*** पद डिमीनि शिंग/डाईंग कैडर में रखे गये हैं ।**

**** लिपिक के पद अवर क्षेत्रीय अनुसंधाता में कनवर्ट होने पर ।**

@@ एक संगणक, क्षे0 सहायक के पद के विरूद्ध जिला सांख्यान कार्यालय, यमुनानगर में तथा दो संगणक अवर क्षेत्रीय अनु0 के पद के विरूद्ध जिला सांख्यान कार्यालय, हिसार व जीन्द में कार्यरत हैं ।